पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

49 साल की सुष्मिता सेन करना चाहती हैं शादी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 300 ■ शुक्रवार, 28 फरवरी 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पहले मनपाकर्मी जमा करें संपत्ति कर

- उल्हासनगर मनपा आयुक्त ने दिया आदेश
- आयुक्त ने दिए कार्रवाई के संकेत
- मनपा का 950 करोड़ रुपए संपत्ति कर बकाया

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन ने शहर में करीब 950 करोड़ रुपये का संपत्ति कर बकाया वसूलने के लिए अभय योजना लागू की है। हालांकि, नागरिकों को अभय योजना में भाग लेने के लिए मनपा प्रशासन ने पहले अपने कर्मचारियों को अपने सभी संपत्ति करों का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया है। जिन लोगों पर बकाया है, उन्हें भी समय पर भुगतान करने तथा शून्य भुगतान रसीद प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। आयुक्त मनीषा आव्हाले ने इसकी अनदेखी करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के संकेत भी दिए हैं।

उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने हाल ही में अंतिम सुरक्षा योजना लागू की है। तीन चरणों में लागू की जाने वाली इस योजना के तहत संपत्ति मालिकों को बकाया राशि पर जुर्माने से छूट दी जाएगी। इसके लिए मनपा प्रशासन व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है। पिछले तीन दिनों में इसके माध्यम से औसतन दो करोड़ रुपये एकत्र किए गए हैं। उल्हासनगर महानगरपालिका में कुल संपत्ति मालिकों की संख्या 1 लाख 83 हजार है, जिसमें से बकायादारों की संख्या 1 लाख 29 हजार है।

दिलचस्प बात यह है कि कई मनपा कर्मचारी महानगरपालिका क्षेत्र में ही रहते हैं। मनपा में कार्यरत कर्मचारियों में से 70 से 75 प्रतिशत अधिकारी व कर्मचारी स्थानीय हैं। इसमें ग्रेड 1, 2, 3 और 4 के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। इसमें डॉक्टर, अधीक्षक, वरिष्ठ लिपिक, क्लर्क, शिक्षक, नगरपालिका नर्स, क्लर्क, माली, मजदूर, सफाई कर्मचारी, इलेक्ट्रीशियन, सैनिक, विद्युत सहायक, सुरक्षा गार्ड, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता आदि शामिल हैं। इनमें से कई कर्मचारियों का संपत्ति कर बकाया बताया जा रहा है। इसलिए मनपा के अधिकारियों व कर्मचारियों को भी बकाया राशि का समय पर भुगतान करना जरूरी है।

जीरो बैलेंस की रसीद पेश करें मनपा कर्मचारी

उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने अपने कर्मचारियों को तुरंत बकाया भुगतान करने का आदेश दिया है। इसके लिए मनपा आयुक्त ने आदेश जारी कर लिखित आदेश दिया है कि जिन लोगों ने अपना संपत्ति कर नहीं भरा है, वे इस योजना की अवधि के दौरान अपना संपत्ति कर भर दें तथा कर भुगतान शून्य (जीरो बैलेंस) बताते हुए कर रसीद की प्रति प्रस्तुत करें। आयुक्त मनीषा आव्हाले ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि यह पाया गया कि कर का भुगतान नहीं किया गया है, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार उचित प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इसलिए अभय योजना में भाग लेने के लिए सामान्य बकाया की अपील करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले अपना कर चुकाना होगा। इस निर्णय का नागरिकों द्वारा स्वागत किया जा रहा है।

अभय योजना के पहले दिन 2 करोड़ से अधिक की वसूली

उल्हासनगर में अभय योजना के पहले दिन 2 करोड़ से अधिक संपत्ति कर वसूले गए हैं। उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासक एवं आयुक्त मनीषा आव्हाले द्वारा दिए गए निर्देशानुसार उल्हासनगर महानगरपालिका अंतर्गत अंतिम सुरक्षा योजना 2024-25 लागू कर दी गई है। इस अभय योजना के लागू होने के बाद पहले ही दिन 2 करोड़ 69 लाख 94 हजार रुपए का संग्रह हुआ।

मनपा प्रशासन ने बताया कि इस अभय योजना को नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। मंगलवार को उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय में अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस के मार्गदर्शन में अभय योजना के अनुरूप संपत्ति कर भुगतान बढ़ाने के लिए सभी कर निरीक्षकों और वसूली क्लर्कों की एक बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में उपायुक्त विशाखा मोटघरे, सहायक आयुक्त अजय साबले, कर निर्धारण अधिकारी व कलेक्टर नीलम कदम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस बीच, उपायुक्त मोटघरे ने सभी कर निरीक्षकों और वसूली लिपिकों को अभय योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने और संपत्ति कर भुगतान बढ़ाने का निर्देश दिया है। चल रही अभय योजना में 6 मार्च तक 100 प्रतिशत ब्याज माफी होगी। 11 मार्च तक 75 प्रतिशत ब्याज माफी और 18 मार्च तक 50 प्रतिशत ब्याज माफी रहेगी।

5 लाख भक्तों ने अंबरनाथ शिवमंदिर में किए दर्शन

■ कई बड़े नेता भी आए

अंबरनाथ. अंबरनाथ के प्राचीन शिवमंदिर में मंगलवार मध्य रात्रि से लेकर बुधवार महाशिवरात्रि के दिन लगभग 5 लाख भक्तों ने मंदिर में दर्शन लिए हैं. ये मंदिर 965 वर्ष पुरातन शिलाहार राजा के काल का है. यूनेस्को ने सांस्कृतिक वारसा के रूप में इसका नाम दर्ज किया है. अंबरनाथ नगर परिषद ने भक्तों के स्वागत के लिए विशेष मंडप लगाया था.

यात्रा में अनेक सामाजिक संस्था, राजकीय पक्ष, अंबरनाथ व्यापारी संघटना, नगरसेवकों, रिक्शा संगठन की ओर से यात्रा में आए लोगों के लिए पानी, शरबत, प्रसाद खाने पीने के लिए मंडप लगाए गए थे. हर-हर महादेव और शिवशंभू का जयजयकार करते हुए भक्तों ने शिवमंदिर तक जाकर दर्शन लिया. सांसद श्रीकांत शिंदे, विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, शिक्षक विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे, मुख्याधिकारी रसाल, पराडकर, अंबरनाथ के सभी पक्ष के नेताओं ने शिवमंदिर में जाकर दर्शन लिए. कोई अनुचित प्रकार नहीं हुआ है. शिवमंदिर की यात्रा में अनुचित घटना नहीं हुई है. दूसरे दिन सुबह से पटेल मार्ट के 250 कर्मचारियों ने स्टेशन से लेकर शिवमंदिर तक स्वच्छता अभियान करके कचरे को उठाया.

400 से ज्यादा पुलिस आधिकारी एवं कर्मचारी तैनात

शिवाजी नगर पुलिस की तरफ से भक्तों की सहायता एवं सुरक्षा के लिए तीन स्थानों पर सहायता कक्ष बनाए गए थे. 400 से ज्यादा पुलिस आधिकारी एवं कर्मचारी, 30 से ज्यादा सीसीटीवी लगाए गए थे. अंबरनाथ एवं उल्हासनगर से भक्तों का शाम में तांता लगा हुआ था.

शिव मंदिर क्षेत्र में सफाई अभियान

अंबरनाथ. महाशिवरात्रि के अवसर पर अंबरनाथ के शिव मंदिर क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। 250 से अधिक लोगों ने एक साथ मिलकर शिव मंदिर और उसके दो से तीन किलोमीटर क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव मंदिर और आसपास के क्षेत्र में भारी मात्रा में कूड़ा-कचरा जमा हो जाता है। इस कूड़े-कचरे को साफ करने में नगर निगम के कर्मचारियों को करीब तीन से चार दिन लग जाते हैं। इसलिए, उनकी मदद के लिए गैर सरकारी संगठनों ने एक साथ आकर अपने सदस्यों के माध्यम से शिव मंदिर और आसपास के क्षेत्र की सफाई की। इस समय वहां भारी मात्रा में कूड़ा-कचरा जमा हुआ नजर आया। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों और इन एनजीओ द्वारा चलाए गए सफाई अभियान की सराहना हो रही है।

बस डिपो में महिलाओं की सुरक्षा दांव पर

- सीसीटीवी नहीं
- बस डिपो परिसर शराबियों का अड्डा

बदलापुर. पुणे के स्वर्गेट बस डिपो के पास एक बस में युवती के साथ बलात्कार हुआ, जिसके बाद ये बस डिपो महिला यात्रियों के लिए कितने सुरक्षित हैं? बदलापुर के इस बस डिपो से सैकड़ों बसें यात्रियों को विभिन्न स्थानों पर ले जाती हैं। इसके अतिरिक्त जलगांव चोपड़ा जाने के लिए भी यहां से बसें चलती हैं। हालाँकि, बस डिपो पर महिला यात्रियों की सुरक्षा दांव पर है। बस डिपो पर बहुत सारे लोग नशे में होते हैं। यहां शराब पीने के बाद उन बोतलों को बस डिपो पर फेंक दिया जाता है। यहां सीसीटीवी नहीं है, इसलिए यह बस डिपो महिला यात्रियों के लिए रात में ही नहीं बल्कि दिन में भी सुरक्षित नहीं है। पुलिस को इन डिपो में ध्यान देने की जरूरत है ताकि अपराधी लोगों का सफाया हो।

हिललाइन पुलिस ने रोका बाल विवाह

- 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज
- हिललाइन पुलिस क्षेत्र की घटना
- 16 वर्षीय लड़की का हो रहा था विवाह

उल्हासनगर. एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि उल्हासनगर जैसे शहरों में अभी भी बाल विवाह हो रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने उल्हासनगर कैंप 5 क्षेत्र में बाल विवाह को रोकने में सफलता प्राप्त की है। हिललाइन पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई इस घटना से शहर में हड़कंप मच गया है। शादी के दिन जब पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी मंडप में पहुंचे तो मेहमानों में हड़कंप मच गया। महिला एवं बाल विकास विभाग ने पुलिस की मदद से इस बाल विवाह को रोकने में सफलता प्राप्त की है तथा हिललाइन पुलिस थाने में बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि उल्हासनगर कैंप 5 स्थित एक हॉल में 16 वर्षीय नाबालिग लड़की की शादी होने जा रही है।

तदनुसार, पुलिस और अधिकारियों ने उस हॉल पर धावा बोल दिया जहां शादी हो रही थी वहां दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की का बाल विवाह होने का चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। हिललाइन पुलिस स्टेशन में नाबालिग लड़की के माता-पिता और दूल्हे के माता-पिता तथा पांच अन्य सहित 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। साथ ही, इस मामले में पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है और यह देखना बाकी है कि बाल विवाह में मदद करने वालों के खिलाफ पुलिस क्या कार्रवाई करती है।

हनुमान मंदिर में ड्रेस कोड लागू

■ मैक्सी, मिनी स्कर्ट, मिडी या फटी जींस पर पाबंदी

बदलापुर. बदलापुर के गांधी चौक इलाके में स्थित हनुमान मंदिर में अब श्रद्धालु कुछ खास तरह के कपड़े पहनकर नहीं जा सकेंगे, क्योंकि मंदिर ने ड्रेस कोड लागू कर दिया है। श्रद्धालुओं को मैक्सी, हैरम पैंट, मिनी स्कर्ट, मिडी या फटी जींस पहनकर दर्शन के लिए आने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में पालतू जानवर लाने पर भी रोक लगा दी गई है। हालांकि इस कदम का श्रद्धालुओं की ओर से काफी समर्थन मिल रहा है, लेकिन कुछ लोगों ने इस ड्रेस कोड पर नाराजगी भी जताई है।

शादी का झांसा देकर बलात्कार आरोपी बलात्कारी गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण की एक विधवा महिला को शादी का झांसा देकर उसके साथ बलात्कार करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस बलात्कारी का नाम राम गुप्ता है। इस मामले में पुलिस ने राम गुप्ता के खिलाफ कोलसेवाडी थाने में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के पति का निधन हो चुका है। राम गुप्ता ने पीड़िता के साथ नजदीकियां बढ़ाई, उससे मीठी-मीठी बातें की और शादी का झांसा देकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने जब शादी के बारे में पूछा तो गुप्ता ने गोलमोल जवाब देते हुए पीड़िता के साथ मारपीट की और कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया। जब पीड़िता को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है तो पीड़िता ने तुरंत कोलसेवाडी थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर कोलसेवाडी पुलिस ने राम गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

महाशिवरात्रि पर उल्हासनगर में 547 भोंगे (पिपाणी) जब्त

उल्हासनगर. प्रदूषण को रोकने के लिए महाशिवरात्रि पर उल्हासनगर में 547 भोंगे (पिपाणी), 200 कप और दो किलो प्लास्टिक जब्त किया गया। साथ ही उनसे 32 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। आयुक्त मनीषा अव्हाले के आदेश पर अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस के मार्गदर्शन में सहायक लोक स्वास्थ्य अधिकारी मनीष हिवारे, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक विनोद केणे, मनपा लोक स्वास्थ्य विभाग के एकनाथ पवार की टीम ने कार्रवाई की।

अंबरनाथ स्थित शिव मंदिर सहित उल्हासनगर के कैंप नंबर तीन क्षेत्र में हीराघाट से पवई चौक तक सड़क पर महाशिवरात्रि मेला लगता है। यह पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है। महाशिवरात्रि से पहले की रात को विशेष मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह सड़क बंद कर दी जाती है। यहां किसी भी वाहन का प्रवेश वर्जित है। इसे नियंत्रित करने के लिए यातायात शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अविनाश भामरे ने यातायात पुलिस के साथ सुरक्षा के लिए वार्डन तैनात किए थे।

इस बीच मनपा के जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी रात दो बजे तक पीपाणी, कप और प्लास्टिक के उपयोग पर नजर रखे हुए थे। तदनुसार, प्लास्टिक के कपों के साथ-साथ भोंगे भी जब्त कर लिए गए। इस बार 32 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया।

अंबरनाथ नपा अधिकारियों को चश्मा, कान की मशीन देने का सोमेश्वर का इरादा टला

■ मुख्याधिकारी ने ली बैठक

अंबरनाथ. अंबरनाथ में बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए शहरवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. शहर के लोक प्रतिनिधि, समाजसेवक समस्याओं का हल निकालने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं. ऐसा ही प्रयत्न शिवसेना के विकास सोमेश्वर व युवा सेना शहराध्यक्ष राहुल सोमेश्वर द्वारा करते समय कुछ काम से लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों से उनका संपर्क होता है. ऐसे लाचार, नाबीना, बहरे, अधिकारियों को कान की मशीन और आंखों का चश्मा भेंट देने के बारे में सोमेश्वर बंधुओं ने घोषणा की थी. इसके लिए मुख्याधिकारी से पत्र व्यवहार भी किया गया. मुख्याधिकारी पराडकर ने सोमेश्वर बंधुओं से कहा कि हम आपकी समस्या को मिल बैठकर हल करेंगे. आंदोलन न किया जाए. उनकी इस बात को मान्य करते हुए मुख्याधिकारी के दालान में एक बैठक का आयोजन किया गया. जिसमें ये शिकायत की गई कि समस्याओं पर अधिकारी अपनी आंखें और कान को बंद कर लेते हैं. पूरी जानकारी नहीं दी जाती. अधिकारी गैर हाजिर रहते हैं. शहर में साफ सफाई नहीं हो रही है.

शिकायतों पर मुख्याधिकारी ने वादा किया कि उनकी समस्याओं को दो हफ्ते के भीतर हल किया जाएगा. अगर 15 दिनों में समस्या का हल नहीं निकाला गया तो आंदोलन दोबारा छेड़ा जाएगा. ऐसा सोमेश्वर ने कहा है. इस बैठक में नरेंद्र संखे, सी.ई. कुंभार, नगर रचनाकार गौतम, अन्य अधिकारी उपस्थित थे. बैठक में सोमेश्वर के साथ संदीप देशमुख, महेश वाल्मीकि, शब्बीर खान, उदय जाधव आदि उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

दिल्ली शराब घोटाला की परतें

दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान शराब नीति को लेकर उठा विवाद अब सरकार बदलने के साथ फिर से जोर पकड़ता दिखने लगा है। हाल में इस बात पर विवाद ने तूल पकड़ लिया था कि अगर शराब नीति के मसले पर नियंत्रक महालेखा परीक्षक यानी कैग ने अपनी रपट दी है, तो उसे विधानसभा के पटल पर रखने में आप सरकार को क्या और क्यों दिक्कत थी। अब नई सरकार ने अपने गठन के कुछ ही दिनों बाद कैग की रपट को विधानसभा के पटल पर रख दिया है। सवाल है कि जो आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की जमीन पर बनी और फिर सत्ता में आई थी, उसने इस मसले पर इतनी पर्दादारी कैसे और क्यों की।

गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा के मौजूदा सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में शराब नीति पर कैग की रपट पेश की गई, जिसमें कहा गया है कि नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को दो हजार दो करोड़ रुपए का घाटा हुआ। रपट के मुताबिक, नीति कमजोर थी और लाइसेंस प्रक्रिया में भी गड़बड़ी हुई। इस संदर्भ में विशेषज्ञ समिति ने नीति में कुछ बदलाव के सुझाव दिए थे, लेकिन तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उसे नजरअंदाज कर दिया था।

दरअसल, पिछली सरकार पर इस रपट को रोके रखने, सदन में पेश न करने और इस तरह संविधान का खुलेआम उल्लंघन करने के आरोप लगे थे। इस मसले पर उपराज्यपाल और तत्कालीन आप सरकार के बीच काफी टकराव की स्थिति भी बनी थी। तब भी मुख्य सवाल यही उठा था कि अगर आम आदमी पार्टी की सरकार शराब घोटाले में अपने ऊपर लगे आरोपों और इससे संबंधित नीतियों में अनियमितता को गलत बता रही थी, तो उसे कैग की रपट को विधानसभा के पटल पर रखने में हिचक क्यों हो रही थी।

अब कैग की रपट पेश होने के बाद जो तथ्य प्रकाश में आए हैं, उस पर स्वाभाविक ही एक बार फिर दिल्ली में आप और भाजपा के बीच राजनीतिक टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। हालांकि जरूरत इस बात की है कि बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के इस मसले पर जनता के सामने पूरी वस्तुस्थिति पारदर्शिता के साथ रखी जाए।

बढ़ता तापमान : लोगों की सेहत और आर्थिकी पर पड़ेगा दुष्प्रभाव

इस साल फरवरी के पहले ही हफ्ते में मैदानी राज्यों में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू दिए। ध्यान रहे कि बीता साल भारत के लिए बेहद गर्म रहा था, जिसमें हर महीने औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया था। इस वर्ष जिन दिनों में वसंत की मधुरता का अहसास होना चाहिए, उन दिनों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश आदि में पारा बढ़ गया और महाराष्ट्र के विदर्भ, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और दमन-दीव के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री के बीच रिकार्ड किया जा रहा है। दिल्ली और उसके आसपास का तापमान 28 डिग्री से पार होना सामान्य नहीं। बीते कुछ वर्षों में जब गर्मी अचानक बढ़ती थी तो मान लिया जाता था कि यह अल नीनो या ला नीना का असर है, लेकिन इस बार तो ला नीना अप्रभावी रहा। स्पष्ट है कि मौसम का बदलता मिजाज जलवायु परिवर्तन की मजबूत होती पकड़ की तरफ इशारा कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मौसम संस्था कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, इस साल जनवरी में विश्व का औसत तापमान 13.23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले साल की सबसे गर्म जनवरी से 0.09 डिग्री अधिक था। ऐसा तब हुआ, जब प्रशांत महासागर में ला नीना प्रभाव विकसित हुआ था। दक्षिणी अमेरिका से भारत तक के मौसम में बदलाव के सबसे बड़े कारण अल नीनो और ला नीना प्रभाव ही होते हैं।

अल नीनो का संबंध भारत एवं ऑस्ट्रेलिया में गर्मी और सूखे से है, वहीं ला नीना अच्छे मानसून का वाहक है। इन दोनों घटनाओं का संबंध सुदूर पेरू के तट (पूर्वी प्रशांत) और ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट (पश्चिमी प्रशांत) से है। हवा की गति इन प्रभावों को दूर तक ले जाती है। यहां जानना जरूरी है कि भूमध्य रेखा पर समुद्र पर सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं।

इस इलाके में पूरे 12 घंटे निर्बाध सूर्य के दर्शन होते हैं, जिससे सूर्य की ऊष्मा अधिक समय तक यहां की धरती की सतह पर रहती है। तभी भूमध्य क्षेत्र या मध्य प्रशांत इलाके में अधिक गर्मी पड़ती है। इससे समुद्र की सतह का तापमान प्रभावित रहता है। आमतौर पर सामान्य परिस्थिति में भूमध्यीय हवाएं पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं और गर्म हो चुके समुद्री जल को ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी समुद्री तट की ओर बहा ले जाती हैं।

गर्म पानी से भाप बनती है और उससे बादल बनते हैं। परिणामस्वरूप पूर्वी तट के आसपास अच्छी वर्षा होती है। नमी से लदी गर्म हवाएं जब ऊपर उठती हैं तो उनकी नमी निकल जाती है और वे ठंडी हो जाती हैं। तब पश्चिम से पूर्व की ओर चलने वाली ठंडी हवाएं पेरू के समुद्री तट एवं उसके आसपास नीचे की ओर आती हैं। तभी ऑस्ट्रेलिया के समुद्र से ऊपर उठती गर्म हवाएं इससे टकराती हैं। इससे निर्मित चक्रवात को 'वाकर चक्रवात' कहते हैं। अल नीनो परिस्थिति में पछुआ हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं एवं समुद्र का गर्म पानी लौट कर पेरू के तटों पर एकत्र हो जाता है। इस तरह समुद्र का जल स्तर 90 सेंटीमीटर तक ऊंचा हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप वाष्पीकरण होता है और बरसात वाले बादल निर्मित होते हैं। इससे पेरू में तो भारी बरसात होती है, लेकिन मानसूनी हवाओं पर इसके विपरीत प्रभाव के चलते ऑस्ट्रेलिया से भारत तक सूखे की स्थिति बन जाती है।

ला नीना प्रभाव के दौरान भूमध्य क्षेत्र में सामान्यतया पूर्व से पश्चिम की तरफ चलने वाली अंधड़ हवाएं पेरू के समुद्री तट के गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। इससे पेरू के समुद्री तट पर पानी का स्तर बहुत नीचे आ जाता है, जिससे समुद्र की गहराई का ठंडा पानी थोड़े से गर्म पानी को प्रतिस्थापित कर देता है। इन दिनों ला नीना सक्रिय है, लेकिन आश्चर्यजनक तरीके से न तो भारत में वर्षा हो रही है और न ही पहाड़ों पर पर्याप्त बर्फबारी।

उलटे तापमान तेजी से बढ़ रहा है। मौसम की गर्मी ऐसे ही बढ़ती रही तो सबसे बड़ा नुकसान खेती-किसानी को होगा। गेहूं के दाने कमजोर होंगे और चना-सरसों फसल भी समय से पहले पक जाएंगी। सेब और लीची के पेड़ों में फूलों के परागण का समय कम रहेगा, जिससे फल बनने एवं पकने की प्रक्रिया प्रभावित होगी। यदि तापमान एक डिग्री सेल्सियस बढ़ता है तो यह खरीफ मौसम के दौरान किसानों की आय 6.2 प्रतिशत तक घटा देता है और असिंचित क्षेत्रों में रबी मौसम के दौरान किसानों की आय छह प्रतिशत तक कम कर देता है।

प्रकाश और प्रेम ही हमारा सच्चा स्वरूप है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ट्रंप प्रशासन ने टैक्स को लेकर जारी किए नियम

भारत और ब्रिटेन के बीच एक बार फिर मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत का सिलसिला शुरू होने जा रहा है। ब्रिटेन इसे लेकर उत्साहित है और उसे उम्मीद है कि अगले दस वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार दो से तीन गुना तक बढ़ सकता है। इस बातचीत के किसी सार्थक नतीजे पर पहुंचने की उम्मीद इसलिए भी जताई जा रही है कि अमेरिका अपनी शुल्क नीति को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। ट्रंप प्रशासन ने घोषणा कर रखी है कि जो हम पर जितना शुल्क लगाएगा, हम भी उस पर उतना ही शुल्क लगाएंगे।

इससे कई देशों के सामने व्यापार में घाटे का संकट पैदा हो गया है। हालांकि चीन ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि वह इस मसले को विश्व व्यापार संगठन में उठाएगा, क्योंकि अमेरिका की शुल्क नीति विश्व व्यापार नियमों के विरुद्ध है। पर अमेरिका के रुख में कोई नरमी नजर नहीं आ रही। ऐसे में कई देश वैकल्पिक बाजार की तलाश में हैं। भारत को भी विकल्पों की तलाश है। ऐसे में, उन्हीं देशों के साथ व्यापार बढ़ाने का प्रयास सफल हो सकता है, जिनके साथ पहले से व्यापारिक संबंध मजबूत हैं। ब्रिटेन के साथ भारत के व्यापारिक संबंध बहुत पुराने और मजबूत हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच करीब बीस अरब डालर का व्यापार होता है। दोनों इसे कम से कम दो गुना तक बढ़ाना चाहते हैं। इस संबंध में मुक्त व्यापार समझौते को लेकर पिछले चार वर्षों से बातचीत चल रही है। अब तक दस दौर की बात हो भी चुकी है। आम चुनाव के चलते यह सिलसिला रुक गया था। ब्रिटिश व्यापार सचिव की भारत यात्रा के बाद उसके फिर से शुरू होने पर सहमति बनी है। मुक्त व्यापार समझौते से स्वाभाविक रूप से दोनों के बीच व्यापार बढ़ेगा।

उसके बाद दोनों देश एक-दूसरे के उत्पाद पर नाममात्र का शुल्क लगाएंगे। फिर, भारत और ब्रिटेन इस वक्त अपने विनिर्माण क्षेत्र में आई सुस्ती से पार पाने के उपाय तलाश रहे हैं। वह व्यापार में बढ़ोतरी से ही संभव हो सकता है। भारत का निर्यात लक्ष्य से काफी नीचे चल रहा है, जबकि आयात बढ़ रहा है। इस तरह चीन आदि कई देशों के साथ व्यापार घाटा काफी बढ़ गया है। लिहाजा, भारत की भी कोशिश है कि ब्रिटेन के साथ व्यापार को गति मिले, ताकि इस संकट से पार पाने में मदद मिले।

अगर ब्रिटेन के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता होता है, तो भारत से चमड़ा, कपड़ा, जेवर, सूचना तकनीक, दवा और कृषि आदि उत्पाद का ब्रिटेन में निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। ब्रिटेन अपने उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा और व्यापार सेवाएं भारत में बेचना चाहता है। जाहिर है, जिन चीजों पर अधिक शुल्क लगने की वजह से अमेरिका में भारत के लिए बाजार सिकुड़ने की आशंका जताई जा रही है, उनकी ब्रिटेन में पहुंच आसान हो जाएगी।

मगर फिलहाल अड़चन भारतीय नागरिकों की ब्रिटेन में आवाजाही, कारोबार आदि के लिए वीजा शर्तों को आसान बनाने को लेकर आ रही है। ब्रिटेन में सत्ता परिवर्तन के बाद बाहरी लोगों के लिए नियम और शर्तें कठोर कर दी गई हैं। इससे ब्रिटेन में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के सामने कई मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। वहां जाने वाले विद्यार्थियों आदि के लिए जगहें कम पड़ गई हैं। ऐसे में मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत की कामयाबी फिलहाल ब्रिटेन के रुख पर निर्भर है।

1650 किलो का बैल, 42 संतानों का पिता !

जरा हट के

गुजरात के बनासकांठा जिले में वडगाम के एक 1650 किलोग्राम वजनी बैल ने सबका ध्यान खींचा है. 1650 किलोग्राम वजनी यह बैल शांत स्वभाव और अपने खास गुणों के लिए जाना जाता है. दरअसल, वडगाम के भरत चौधरी के मालिकाना हक वाले पवन नामक बैल ने मेले में आने वाले लोगों का खास ध्यान खींचा है. यह मुरा नस्ल का बैल चार साल का है. इसका वजन 1650 किलोग्राम है, जो इसकी असाधारण विशेषता है. पवन के पिता का नाम मोदी और माता का नाम भीम है.

बता दें कि पवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उसका शांत स्वभाव है. उसकी माता भीम का दूध उत्पादन अत्यंत प्रभावशाली था – एक वत्स में 5300 से 5400 लीटर, यानी लगभग दैनिक 24 लीटर. यह वंशीय गुण पवन की संतति में भी देखा जा सकता है.

भरत चौधरी के पास वर्तमान में पवन की 42 संतति हैं, जिनमें 40 बछड़े और 2 बैल हैं. यह संख्या भी पवन की विशिष्टता को दर्शाती है. भरत चौधरी पवन के सीमेन का एक डोज 300 रुपये में बेचते हैं, जिसका उपयोग अन्य पशुपालक अपने पशुओं की अच्छी संतति के लिए करते हैं.

बैल की कीमत लगी थी 80 लाख रुपये

पवन की देखभाल के लिए भरत चौधरी महीने में 35 से 40 हजार रुपये खर्च करते हैं. उसे गाजर, चुकंदर, गुड़, तेल और घी जैसे पौष्टिक आहार दिए जाते हैं. इस बैल को एक बार 80 लाख रुपये में खरीदने का प्रस्ताव मिला था, लेकिन भरत चौधरी ने उसे बेचने से इनकार कर दिया. उनका मानना है कि बनासकांठा जिले के पशुपालकों के पशुओं की संतति सुधारने में पवन का योगदान अमूल्य है.

पिछले दो साल से पवन जसरा मेले में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. पिछले साल भी यह विजेता बना था और इस साल भी लोग इसे देखने दूर-दूर से आ रहे हैं. इस प्रकार, वडगाम के पवन ने जसरा अश्व मेले में फिर से लोगों का दिल जीत लिया है.

तकिए के साथ सोएं या बिना तकिए के?

तकिए के साथ या बिना तकिए के सोने का अर्थ यह है कि जब आप सोते हैं, तो आप अपने सिर के नीचे तकिया रखते हैं या नहीं। यह आपकी रीढ़ की हड्डी और गर्दन के संरेखण को प्रभावित कर सकता है, जिससे आपकी नींद की गुणवत्ता और शरीर के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। तकिए के साथ या बिना तकिए के सोने का सीधा असर आपकी रीढ़ की हड्डी पर पड़ता है। सही तरीका आपकी सोने की पोजीशन और रीढ़ की हड्डी के प्राकृतिक संरेखण पर निर्भर करता है। तो आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि तकिए के साथ सोने के क्या फायदे हैं और बगैर तकिए के साथ सोने के क्या फायदे और नुकसान है। आइए जानते हैं कि कौन-सा विकल्प सही रहेगा।

तकिए के साथ सोने के फायदे और नुकसान

■ फायदेः

पीठ के बल सोने वालों के लिए, तकिया गर्दन को सहारा देता है और रीढ़ की प्राकृतिक कर्व को बनाए रखता है।

साइड स्लीपर (एक तरफ करवट लेकर सोने वालों) के लिए तकिया ज़रूरी है, क्योंकि यह गर्दन और सिर को उचित संरेखण में रखता है और कंधों पर दबाव कम करता है।

सही ऊंचाई वाला तकिया स्लीप एपनिया और खर्राटों की समस्या को कम कर सकता है।

■ नुकसानः

बहुत ऊंचा या बहुत सपाट तकिया गर्दन और पीठ के लिए हानिकारक हो सकता है।

गलत तकिए से गर्दन और कंधों में अकड़न आ सकती है।

कुछ लोग तकिए के कारण सिरदर्द और माइग्रेन की समस्या महसूस कर सकते हैं।

बिना तकिए के सोने के फायदे और नुकसान

■ फायदेः

पेट के बल सोने वालों के लिए, बिना तकिए के सोना फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि यह गर्दन और रीढ़ पर दबाव कम करता है।

यह रीढ़ की प्राकृतिक पोजीशन को बनाए रखता है, जिससे पीठ दर्द की संभावना कम हो सकती है।

तकिए के बिना सोने से चेहरे की त्वचा को फायदा हो सकता है, क्योंकि तकिए के संपर्क से झुर्रियां और पिंपल्स होने की संभावना रहती है।

■ नुकसानः

बिना तकिए के सोने से गर्दन और सिर को पर्याप्त सपोर्ट नहीं मिलता, जिससे कुछ लोगों को दर्द हो सकता है।

साइड स्लीपिंग करने वालों के लिए, बिना तकिए के सोना सही नहीं होता, क्योंकि यह गर्दन और कंधों पर दबाव डाल सकता है।

■ आपके लिए कौन-सा बेहतर है?

पीठ के बल सोने वालों के लिएः पतला और सपोर्टिव तकिया सही रहेगा, जिससे गर्दन को हल्का सहारा मिले और रीढ़ सीधी बनी रहे।

साइड स्लीपिंग करने वालों के लिएः थोड़ा मोटा तकिया सही रहेगा, ताकि गर्दन और कंधों के बीच उचित संरेखण बना रहे।

पेट के बल सोने वालों के लिए बिना तकिए के सोना बेहतर हो सकता है, ताकि गर्दन पर अनावश्यक दबाव न पड़े।

इस चीज का रखें ध्यान

आपकी सोने की पोजीशन के अनुसार सही तकिए का चुनाव जरूरी है। अगर आप साइड या पीठ के बल सोते हैं, तो तकिए का सही ऊंचाई और सपोर्ट मिलना जरूरी है। वहीं, अगर आप पेट के बल सोते हैं, तो बिना तकिए के सोना आपकी रीढ़ की हड्डी के लिए ज्यादा आरामदायक हो सकता है। अपनी नींद की आदतों के अनुसार सही तकिए का चुनाव करें ताकि आपकी रीढ़ की हड्डी और गर्दन स्वस्थ बनी रहे।

खाना-खजाना

टेस्टी कोरियन पोटैटो

बच्चे ज्यादातर आलू खाना पसंद करते हैं। तो अगर आपके बच्चे भी हर दिन डिफरेंट तरीके से आलू खाना चाहते हैं तो उन्हें ये कोरियन स्टाइल पोटैटो बनाकर दे सकती हैं। इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता है और बच्चे पूरे चाव से इसे खाते हैं। तो बस फटाफट नोट कर लें बिल्कुल आसान सी रेसिपी।

सामग्री

- बेबी साइज के नए आलू
- सोया सॉस
- चिली सॉस
- व्हाइट विनेगर
- हनी एक चम्मच
- बारीक कटा लहसुन
- नमक
- सफेद तिल
- तेल

बनाने की रेसिपी

सबसे पहले बेबी साइज के आलूओं को अच्छी तरह से धोकर छील लें।

अगर नए आलू हैं जिनका छिलका काफी पतला होता है तो पूरी तरह से छीलने की जरूरत नही हैं। आलू के साथ पतले छिलके से भुन रहे तो साइड में किसी बाउल में दो चम्मच सोया सॉस, एक चम्मच व्हाइट विनेगर मिक्स करें।

उसमे बारीक कटे लहसुन डालें और साथ में स्प्रिंग अनियन, काली मिर्च पाउडर और शहद एक चम्मच भी डाल दें।

पैन में भुन रहे आलूओं के ऊपर ये मिक्सचर डालकर दो से तीन मिनट तक इसे धीमी आंच पर ढंककर पकने दें। जिससे आलूओं में सॉस का फ्लेवर चला जाए। ऊपर से सफेद तिल छिड़कें।

बस गैस की फ्लेम बंद करें और गर्मागर्म ये आलू सर्व करें।

आलूओं को उबालकर अच्छी तरह से पानी से धो लें। जिससे कि ये साफ हो जाएं।

अब पैन में तेल गर्म करें और उसमे उबले आलूओं को डालें और अच्छी तरह से भूनें। ध्यान रहे कि आलूओं को काटना नही हैं।

आलू जब पैन में अच्छी तरह टेस्टी लगते हैं।

स्वेटर से रोएं हटाने का ये है नया ट्रेंडिंग ट्रिक

सर्दियां खत्म होने वाली हैं. अब समय आ गया है हेवी ऊनी कपड़ों, जैकेट, स्वेटर को साफ करके बैग, दीवान में पैक करने का. वैसे, लगातार स्वेटर पहनने से इस पर रोएं निकल जाते हैं, जिससे देखने में स्वेटर पुराने लगते हैं. कई महंगे स्वेटर रोएं के कारण भद्दे और पुराने नजर आने लगते हैं. ऐसे में इन पर लगे रोएं न हटाएं तो ये बाद में जल्दी हटते नहीं हैं. हो सकता है आपने कई तरीके से स्वेटर के रोएं को हटाने की कोशिश होगी. सोशल मीडिया पर बेलन, टेप से भी रोएं हटाने के हैक्स खूब वायरल हो रहे हैं. अगर आप ये भी ट्राई करके देख चुके हैं और कोई लाभ नहीं हुआ तो अब इस ट्रिक को आजमाकर देखिए.

आपके किचन में बर्तन धोने के लिए हरे रंग का स्क्रबर तो होगा ही बस आपको यही एक स्क्रबर लेना है. यूज किया हो स्क्रबर नहीं बिल्कुल नया स्क्रबर लें.आपको एक्स्ट्रा खर्च करने की जरूरत भी नहीं होगी. आपके किचन में एक-दो नया स्क्रबर पड़ा ही होगा. अब आप इन स्टेप्स को फॉलो करें-

स्वेटर से रोएं हटाने का धांसू जुगाड़

स्वेटर से रोएं हटाने के लिए अब बेलन और टेप के चक्कर में नहीं पड़ना होगा. आपको एक बहुत ही आसान सा ट्रिक बता रहे हैं. आपको लेना है एक बर्तन साफ करने वाला नया स्क्रबर. इन दिनों सोशल मीडिया पर यह ट्रिक काफी वायरल हो रहा है. आप हरे रंग वाला स्क्रब लें. उसे पकड़ कर स्वेटर, जैकेट या बबल निकले पैंट, हूडी आदि पर ऊपर से नीचे की तरफ घिसना है. ये स्क्रबर खुरदुरा होता है. इसे ऊनी कपड़ों पर घिसने से सारे रोएं आसानी से निकल सकते हैं. एक बार आप इस नुस्खे को ट्राई करके जरूर देखें.

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद मखाना

मखाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है. इसमें पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होती है, जिनसे सेहत दुरुस्त हो सकती है. पीएम मोदी ने हाल ही में बिहार दौरे पर मखाने का सुपरफूड बताया था. पीएम ने कहा था कि वे साल के 365 दिनों में से 300 दिन मखाना जरूर खाते हैं. उन्होंने मखाने को ब्रेकफास्ट का सबसे अच्छा ऑप्शन बताया था. पीएम के बयान से साफ जाहिर होता है कि वे मखाने का सेवन लगभग रोज करते हैं और यह उनकी सेहत का राज भी हो सकता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स भी मखाने को फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए लाभकारी मानते हैं. नई दिल्ली के PSRI

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की सीनियर डाइटिशियन पूनम दुनेजा ने बताया कि मखाने को सुपरफूड माना जा सकता है, क्योंकि इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन B, विटामिन E के अलावा कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है. मखाने में कई एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं. मखाने में कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिससे वेट लॉस में मदद मिल सकती है. अगर आप फिटनेस को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो मखाने का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए.

ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद....

डाइटिशियन के मुताबिक मखाने में पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो दिल की सेहत को सुधारने में मदद करते हैं. मखाने का रोज सेवन करने से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. इससे हार्ट डिजीज का खतरा कम हो जाता है. मखाना में सैचुरेटेड फैट की मात्रा कम होती है, जिससे यह हार्ट के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. हड्डियों के लिए भी मखाना सुपरफूड है. मखाने में कैल्शियम, आयरन और फास्फोरस जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं. मखाना बोन डेंसिटी को बढ़ा सकता है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से बचाव होता है. बच्चों और बुजुर्गों के लिए मखाना एक बेहतरीन फूड है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है. एक्सपर्ट की मानें तो मखाने में विटामिन C और विटामिन E जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो त्वचा को पोषण देने और उसकी प्राकृतिक चमक बढ़ाने में मदद करते हैं. यह झुर्रियों और त्वचा की अन्य समस्याओं को कम करने में सहायक है. नियमित रूप से मखाना खाने से त्वचा में निखार आता है और यह उम्र बढ़ने के संकेतों को धीमा कर सकता है. इसके अलावा मखाना में घुलनशील फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो ब्लड शुगर लेवल को स्टेबल रखने में मदद करता है. यह शरीर में इंसुलिन की प्रतिक्रिया को सुधारता है और शुगर लेवल को कंट्रोल करता है.

आज का राशिफल

मेष : आज व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृषभ : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

मिथुन : विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

सिंह : मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या : चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मकर : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

कुंभ : बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें। अति व्यस्तता रहेगी।

मीन : मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

18 फरवरी से लापता था पीएसी का सिपाही, नाले में पड़ा मिला शव, दो आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़. अलीगढ़ जिले में 18 फरवरी को लापता हुए एक पुलिस कांस्टेबल का शव शहर के बाहरी इलाके में एक नाले में मिला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलीगढ़ में 38वीं बटालियन पीएसी में तैनात कांस्टेबल अमित कुमार का शव बुधवार देर रात एक नाले से बरामद किया गया, जिसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बुलंदशहर में मृतक के परिवार को सूचित किया। सूत्रों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज की मदद से पहचाने गए दो लोगों को कांस्टेबल की हत्या के आरोप में बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजीव द्विवेदी के अनुसार, अमित 18 फरवरी को अपने गांव से ड्यूटी के लिए अलीगढ़ आया था, तभी वह लापता हो गया। उन्होंने बताया कि बस स्टॉप पर उतरने के बाद अमित और दोनों आरोपियों ने एक दुकान पर शराब पी। द्विवेदी के मुताबिक, शराब पीने के बाद आरोपियों ने अमित को पास के नाले में धकेल दिया, जहां डूबने से उसकी मौत हो गई।

प्रिंसिपल ने क्लास 3 की छात्रा को इस कदर बेरहमी से पीटा, आंख की रोशनी चली गई

मुरादाबाद. मुरादाबाद के भोगपुर मिथोनी प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्या द्वारा कथित तौर पर पिटाई किए जाने से तीसरी कक्षा की एक छात्रा की एक आंख की रोशनी चली गई। सूत्रों के अनुसार, पीड़ित छात्रा हिमांशी को मंगलवार को उसके शिक्षक ने पीटा था। इस दौरान उसकी आंख में गंभीर चोट आई है और वह एक आंख से देख नहीं पा रही है। हिमांशी की मां ज्योति कश्यप ने स्कूल की प्रधानाचार्या गीता कराल के खिलाफ जिलाधिकारी के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में ज्योति ने दावा किया है कि प्रधानाचार्या द्वारा पीटे जाने की वजह से आईं गंभीर चोटों के कारण उनकी बेटी की एक आंख की रोशनी चली गई है। हालांकि, प्रधानाचार्या गीता कराल ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि हिमांशी की नजर पहले से ही कमजोर है।

पति ने पार की सारी हदें, बीच चौराहे पर भीड़ में पत्नी की दांत से काट ली नाक, पुलिस थी मौजूद

बहराइच. यूपी के बहराइच में एक पति ने सारी हदें पार कर दीं। गुस्साए पति ने अपनी पत्नी पर हमला कर दिया। जिले के कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र में देवलखा चौराहा पर शिव बारात में एक पति ने अपनी पत्नी की गुस्से में दांत से नाक काट ली। घटना को अंजाम देते समय सुरक्षा में लगी डायल 112 टीम खड़ी थी। पुलिस ने पति को धक्के देकर उसकी पत्नी को छुड़ाया। कोतवाली क्षेत्र के देवलखा चौराहा पर बुधवार को शिव बारात जुलूस निकल रहा था। जिसे देखने के लिए देवलखा गांव निवासी संदीप कुमार के बच्चे भी गए थे। भीड़ में बच्चे गायब न हों, इसके लिए संदीप की पत्नी सरोज कुमारी एक अन्य महिला के साथ अपने बच्चों को बुलाने चली गई। इसके बाद पति भी मौके पर पहुंचा। शिव बारात में ही बीच चौराहे पर भीड़ में ही किसी बात को लेकर पति और पत्नी में कहासुनी हुई। बात-बात में दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। अचानक पति ने गुस्सा गया। गुस्से में पति ने सारी हदें पार कर दीं। पति अपने दांत से महिला की नाक काट ली।

ना कोई सूचना और ना निमंत्रण, फिर भी पहुंचे करोड़ों

■ **समापन पर PM मोदी ने बताया एकता का महाकुंभ**

नई दिल्ली. प्रयागराज में 45 दिनों तक चले महाकुंभ का समापन भव्य तरीके से हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक आयोजन को एकता का महाकुंभ बताया और अपने ब्लॉग में लिखा कि बिना किसी औपचारिक निमंत्रण या सूचना के करोड़ों श्रद्धालु इस आयोजन में पहुंचे, जिससे भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक एकता का अनुपम दृश्य देखने को मिला।

पीएम मोदी ने लिखा कि इस महाकुंभ में देशभर से श्रद्धालु जुटे, जिनमें संत, महात्मा, बाल-वृद्ध, महिलाएं और युवा सभी शामिल थे। उन्होंने इसे भारत की एकता और समरसता का प्रतीक बताया और कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान 'देवभक्ति से देशभक्ति' का जो

संकल्प लिया गया था, उसे इस महाकुंभ में मूर्त रूप मिला।

पीएम मोदी ने इस आयोजन की भव्यता पर चर्चा करते हुए कहा कि दुनिया में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है जहां बिना औपचारिक निमंत्रण के इतनी विशाल संख्या में लोग पहुंचे हों। उन्होंने प्रशासन, सफाईकर्मियों, पुलिसकर्मियों, नाविकों और प्रयागराज के स्थानीय निवासियों की सेवा भावना की भी प्रशंसा की, जिन्होंने महाकुंभ के दौरान आने वाले करोड़ों लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखा।

अपने ब्लॉग में पीएम मोदी ने लिखा कि महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने वाला एक महायज्ञ था। उन्होंने इसे एक नए भारत की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि इस आयोजन ने भारत के उज्ज्वल भविष्य की एक झलक पेश की है, जहां आध्यात्मिकता और विकास एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।

अंत में, पीएम मोदी ने महाकुंभ की तुलना श्रीकृष्ण द्वारा माता यशोदा को ब्रह्मांड दर्शन कराने से की और कहा कि इस महाकुंभ में दुनिया ने भारत की असली ताकत देखी। उन्होंने यह भी बताया कि वह जल्द ही श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे और भारत की समृद्धि और एकता के लिए प्रार्थना करेंगे।

CM योगी ने संगम पर झाड़ू लगाई, गंगा से कचरा निकाला

■ **समापन के बाद भी मेले में भीड़**

45 दिन तक चले महाकुंभ का कल (26 फरवरी) समापन हो चुका है। हालांकि, आज भी मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ है। लोग संगम स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। मेले में दुकानें भी लगी हैं।

सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम के साथ गुरुवार सुबह प्रयागराज पहुंचे। महाकुंभ के समापन पर योगी ने पहले अरैल घाट पर झाड़ू लगाई। गंगा नदी से कचरा निकाला। फिर गंगा पूजन भी किया।

योगी ने सफाईकर्मियों के साथ जमीन पर बैठकर खाना खाया। दोनों डिप्टी ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे। सीएम ने कहा- कल महाकुंभ की पूर्णाहुति हुई। आस्था का इतना बड़ा समागम दुनिया के अंदर कहीं नहीं हुआ। कोई घटना नहीं हुई।

सपा पर निशाना साधते हुए

योगी ने कहा- विरोधी दूरबीन और माइक्रोस्कोप लगाकर बैठे हुए थे, फिर भी वे घटनाएं उजागर नहीं कर पाए। दुष्प्रचार का कोई मौका उन्होंने नहीं छोड़ा। योगी ने महाकुंभ से जुड़े स्वच्छता कर्मियों को 10 हजार बोनस का ऐलान भी किया। कहा- जिन स्वच्छता कर्मियों को 8 से 11 हजार रुपए महीने के मिलते थे, इसे अप्रैल से बढ़ाकर 16 हजार करेंगे।

महाशिवरात्रि पर 1.53 करोड़ ने लगाई डुबकी

बुधवार को महाशिवरात्रि पर महाकुंभ का अंतिम स्नान था। इस दौरान 1.53 करोड़ ने डुबकी लगाई। पूरे महाकुंभ आयोजन के दौरान रिकॉर्ड 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। ये आंकड़ा अमेरिका की आबादी (करीब 34 करोड़) से दोगुना है। संगम में डुबकी लगाने वालों की यह संख्या 193 देशों की जनसंख्या से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी महाकुंभ आए श्रद्धालुओं से ज्यादा है। योगी सरकार ने दावा किया कि दुनिया में हिंदुओं की आधी आबादी के बराबर लोग यहां आए हैं।

पूर्वी लद्दाख में मिलकर काम करने को तैयार चीन

पूर्वी लद्दाख में भारत की दो टूक पर चीन ने अपने तेवर बदलने शुरू कर दिए हैं। चीन के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसकी और भारत की सेनाएं पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को समाप्त करने के प्रस्तावों को ''व्यापक और प्रभावी तरीके'' से लागू कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''हम सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए भारतीय पक्ष के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं।''

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल वु कियान ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में पूर्वी लद्दाख सेक्टर में स्थिति के सामान्य होने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''वर्तमान में, चीनी और भारतीय सेनाएं सीमा क्षेत्रों से संबंधित प्रस्तावों को व्यापक और प्रभावी तरीके से लागू कर रही हैं।'' बता दें कि भारत और चीन ने पिछले साल के अंत में देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देने के बाद यह (सैनिकों की वापसी की) प्रक्रिया पूरी कर ली है।

नीतीश कैबिनेट में फेरबदल

■ **कई के विभाग घटे, कई के बदले**

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैबिनेट विस्तार के बाद मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया है। इस प्रक्रिया में एक तरफ जहां डिप्टी सीएम विजय सिन्हा समेत कई पुराने मंत्रियों के विभागों में कटौती हुई तो वहीं दूसरी तरफ नितिन नबीन जैसे मंत्रियों के विभाग बदल दिए गए हैं।

भाजपा कोटे से जिन सात नेताओं को बुधवार को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था, उनमें संजय सरावगी को दिलीप जायसवाल वाला राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग मिला है। सुनील कुमार को प्रेम कुमार वाला पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राज कुमार सिंह को नीतीश मिश्रा का पर्यटन विभाग दिया गया है।

किसे कौन-सा विभाग मिला....!

मोतीलाल प्रसाद को डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, जिवेश कुमार को नितिन नबीन का नगर विकास एवं आवास विभाग, विजय मंडल को संतोष कुमार सुमन का आपदा प्रबंधन विभाग और मंटू सिंह को भी संतोष कुमार सुमन का सूचना प्रौद्योगिकी विभाग मिला है। विजय सिन्हा का पथ निर्माण विभाग अब नितिन नबीन को मिल गया है जबकि मंगल पांडेय का कृषि विभाग अब सिन्हा के पास आ गया है। नए मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे और कुछ पुराने मंत्रियों के मंत्रालयों में बदलाव के बाद नीतीश सरकार के मंत्रिमंडल और विभागों की सूची अब इस तरह हो गई है।

22 दिन के बच्चे को गर्म सलाखों से 65 बार दागा

अंधविश्वास के नाम पर मासूम के साथ किया गजब

अमरावती. आज के वक्त में भी अंधविश्वास की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका दर्दनाक उदाहरण हाल ही में देखने का मिला है। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के चिखलदरा तालुका के सीमोरी गांव में एक 22 दिन के मासूम को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, लेकिन सही इलाज कराने के बजाय उसे गर्म सलाखों से 65 बार दाग दिया गया। मासूम का नन्हा शरीर तड़पता रहा, चीखें गूंजती रहीं, लेकिन अंधविश्वास के अंधे लोगों की आंखें नहीं खुलीं।

हालत बिगड़ने के बाद जब उसे अस्पताल ले जाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। फिलहाल बच्चा अमरावती अस्पताल के आईसीयू में जिंदगी और मौत के

बीच जूझ रहा है। लोकमत की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार, 25 फरवरी को गंभीर हालत में उसे अमरावती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चे को जन्मजात हृदय संबंधी समस्या हो सकती है, जिससे उसकी सांस लेने की प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। चिकित्सा जांच में उसके दिल की धड़कनों में अनियमितता पाई गई, जिसके लिए 2डी इको टेस्ट की जरूरत बताई गई। अगर समय पर सही इलाज मिलता, तो इस मासूम को इतनी पीड़ा सहनी नहीं पड़ती। लेकिन अंधविश्वास की जकड़ ने न सिर्फ उसकी तकलीफ बढ़ा दी, बल्कि उसकी जान को भी खतरे में डाल दिया।

बताया जाता है कि मेलघाट क्षेत्र में जहां यह घटना घटी, वहां अब भी गहरी जड़ें जमा चुके अंधविश्वास और पारंपरिक इलाज के तरीके लोगों की सोच पर हावी हैं। कई बार झोलाछाप डॉक्टर और स्थानीय ओझा-गुनी लोग इलाज के नाम पर मासूमों और मरीजों को अमानवीय यातनाएं देते हैं।

इडली खाते हैं तो हो जाएं सावधान, हो सकता है कैंसर

बेंगलूरु. न जाने हम सभी ने कितनी बार इडली खाई होगी। साउथ इंडियन फूड इडली को कभी भी आदमी खा सकता है, फिर चाहे उसे ज्यादा भूख लगी हो या कम। इडली और डोसा तो साउथ इंडिया में ब्रेकफास्ट का काफी अच्छा खाना माना जाता है, लेकिन अब इडली को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया है कि कुछ रेस्त्रां और सेलर्स द्वारा तैयार की गई इडली को खाने से कैंसर भी हो सकता है। इससे न सिर्फ बेंगलुरु के लोग, बल्कि देशभर की जनता सतर्क हो गई है। बेंगलुरु में हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक जांच की है, जिसमें यह पता चला है कि कुछ होटल्स, स्ट्रीट वेंडर्स की बनाई गई इडली कितनी जानलेवा है।

हिंदी ने अवधी, बुंदेली और ब्रज समेत 25 भाषाओं को खत्म किया

तमिलनाडु में ऐसा नहीं होने देंगे : स्टालिन

चेन्नई. तमिलनाडु में हिंदी बनाम तमिल की जंग छेड़ने वाले सीएम एमके स्टालिन लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। अब उन्होंने फिर से दोहराया है कि हम हिंदी को तमिलनाडु पर थोपने का विरोध करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी के चलते उत्तर भारत की 25 से ज्यादा भाषाओं को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु हिंदी भाषा को 'थोपने' की इजाजत नहीं देगा और उन्होंने तमिलों एवं इसकी संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प जताया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित एक पत्र में उन्होंने कहा, 'हम हिंदी थोपने का विरोध करेंगे। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।' डीएमके ने आरोप लगाया है कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में तीन-भाषा फार्मूले के माध्यम से हिंदी को थोपने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है।

पत्र में स्टालिन ने दावा किया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बोली जाने वाली मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी जैसी कई उत्तर भारतीय भाषाओं को 'आधिपत्यवादी हिंदी ने नष्ट कर दिया है।' सत्तारूढ़ डीएमके के प्रमुख ने कहा, 'आधिपत्यवादी हिंदी-संस्कृत भाषाओं के हस्तक्षेप से 25 से अधिक उत्तर भारतीय मूल भाषाएं नष्ट हो गई हैं। जागरुकता के कारण सदियों पुराने द्रविड़ आंदोलन और विभिन्न आंदोलनों ने तमिलों और उनकी संस्कृति की रक्षा की।' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु एनईपी का विरोध कर रहा है क्योंकि केंद्र शिक्षा नीति के माध्यम से हिंदी और संस्कृत को थोपने की कोशिश कर रहा है।

एनईपी के अनुसार तीसरी भाषा विदेशी भी हो सकती है। भाजपा के

इस दावे का जवाब देते हुए स्टालिन ने दावा किया कि त्रिभाषा नीति कार्यक्रम के अनुसार, ''कई राज्यों में केवल संस्कृत को बढ़ावा दिया जा रहा है।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राजस्थान उर्दू प्रशिक्षकों के बजाय संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति कर रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर तमिलनाडु त्रिभाषा नीति को स्वीकार करता है, तो मातृभाषा को नजरअंदाज कर दिया जाएगा और भविष्य में संस्कृतीकरण होगा।'

चैंपियंस ट्रॉफी - बारिश से पाक-बांग्लादेश मैच रद्द

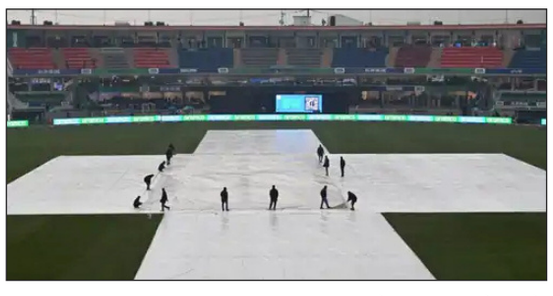

■ **पाकिस्तान बिना कोई मैच जीते बाहर**

■ **रावलपिंडी में लगातार दूसरा मुकाबला बेनतीजा रहा**

■ **फैंस निराश होकर लौटे**

ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान और बांग्लादेश मैच बारिश के कारण रद्द हो गया है। मेजबान पाकिस्तान टूर्नामेंट में बिना जीत के बाहर हो गई।

गुरुवार को रावलपिंडी में रुक-रुककर बारिश होती रही। ऐसे में मैच रेफरी ने इसे रद्द करने का फैसला लिया। दोनों टीमों को एक-एक दिए गए।

यह यह दोनों का आखिरी ग्रुप मुकाबला था। पाकिस्तान को पहले मैच में न्यूजीलैंड और दूसरे में भारत ने हराया था। वहीं, बांग्लादेश को पहले मुकाबले में भारत और दूसरे में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा।

खुशदिल पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी

खुशदिल शाह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2 मैचों में 107 रन बनाए हैं। अबरार अहमद ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनके नाम 2 मैचों में 2 विकेट हैं।

ग्रुप ए पॉइंट टेबल

टीमें	मैच	जीते	हारे	बेनतीजा	पॉइंट्स	NRR
न्यूजीलैंड	2	2	0	0	4	0.86
भारत	2	2	0	0	4	0.64
बांग्लादेश	3	0	2	1	1	-0.44
पाकिस्तान	3	0	2	1	1	-1.08

जाकिर ने बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए

जाकिर अली इस चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने पहले मैच में भारत के खिलाफ 68 और दूसरे में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर तौहीद हृदोय हैं। हृदोय ने पहले मैच में भारत के खिलाफ शतक लगाया था। हालांकि, पिछले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7 रन पर आउट हो गए थे। रिशाद हुसैन टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। रिशाद ने 2 मैच में 3 विकेट लिए हैं।

बिना विभाग के मंत्री के बाद पंजाब में एक और कारनामा

फर्जी आदेश पर 57 कर्मचारियों के ट्रांसफर

चंडीगढ़. पंजाब में पिछले दिनों सामने आया था कि बीते लगभग दो सालों से बिना विभाग के ही एक मंत्री काम कर रहा था। कुलदीप धालीवाल प्रशासनिक सुधार विभाग के मंत्री के रूप में काम कर रहे थे, जो अस्तित्व में ही नहीं था। इस मामले के सामने आने के बाद पंजाब सरकार की जमकर किरकिरी हुई थी। अब एक और मामला सामने आया है, जिसने पंजाब के सरकारी अमले पर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया है।

औपचारिक कॉपी का भी इंतजार नहीं किया...

यहां हैरान करने वाली बात यह है कि किसी भी आदेश पर अमल से पहले उसकी औपचारिक प्रति ली जाती है। अधिकारियों ने औपचारिक कॉपी का भी इंतजार नहीं किया और ट्रांसफर शुरू कर दिए। सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे फर्जी आदेश के मुताबिक ही कर्मचारियों को उन जगहों पर भेजा जाने लगा, जहां का जिक्र फर्जी आदेश में था। यह पूरा मामला तब पकड़ में आया, जब स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक को इसकी जानकारी मिली। उन्हें तुरंत ही सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को लेटर जारी किया और बताया कि आप लोग जिस आदेश के नाम पर ट्रांसफर कर रहे हैं, वह ऑर्डर ही फर्जी है। ऐसा कोई आदेश वास्तव में जारी ही नहीं किया गया है।

दरअसल यह मामला ट्रांसफर के फर्जी आदेश का है, जो सोशल मीडिया पर वायरल था और अफसरों ने उसे सही मानते हुए अमल भी शुरू कर दिया। यह फर्जी आदेश 57 क्लर्क, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सेवादारों से जुड़ा था। शिक्षा विभाग से जुड़े इस आदेश को जिला शिक्षा अधिकारियों ने अमल में लाना भी शुरू कर दिया था। स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक ने बुधवार को यह जानकारी दी कि फर्जी आदेश के आधार पर ही कुछ जिला शिक्षा अधिकारी और स्कूलों के मुखिया कर्मचारियों का नए स्थानों पर ट्रांसफर कर रहे हैं।

ईरान ने बढ़ाई US-इजरायल को टेंशन

ईरानी वायु सेना ने पहली बात रूस निर्मित याकोवलेव याक-130 हल्के लड़ाकू विमान का प्रदर्शन किया है। खास बात यह है कि ईरान ने इस लड़ाकू विमान को तब पूरी दुनिया के सामने पेश किया है जब उसके परमाणु ठिकानों और मिसाइल अड्डों पर अमेरिका और इजरायल द्वारा हमले की आशंका गहराई हुई है। वहीं दूसरी तरफ मणिपुर में लूटे हुए हथियारों को लौटाने की समय सीमा खत्म हो गई है। ईरानी वायु सेना ने पहली बार रूस निर्मित याकोवलेव याक-130 हल्के लड़ाकू विमान का प्रदर्शन किया है। इससे प्रतिद्वंद्वी इजरायल और अमेरिकी खेमे में खलबली है। ईरान ने इस लड़ाकू विमान को तब पूरी दुनिया के सामने पेश किया है, जब उसके परमाणु ठिकानों और मिसाइल अड्डों पर अमेरिका और इजरायल द्वारा हमले की आशंका गहराई हुई है।

बकरीद पर न दें कुर्बानी

इस्लामिक देश के राजा ने की अपील

उत्तर अफ्रीकी इस्लामिक देश मोरक्को के राजा ने लोगों से इस साल बकरीद यानी ईद-उल-अज़हा (Eid Al-Adha) के मौके पर धार्मिक त्यौहार के दौरान भेड़ों की कुर्बानी नहीं देने का आह्वान किया है। राजा मोहम्मद-VI ने अपने देश के लोगों से कहा है कि देश लगातार सातवें साल सूखे की मार झेल रहा है। इस वजह से देश में पशुधन की आबादी कम हो गई है और मांस की कीमतें बढ़ गई हैं। ईद-उल-अज़हा के दौरान हर साल दुनिया भर में बसे मुसलमान लाखों भेड़, बकरियों और अन्य पशुओं की बलि देते हैं।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to the public at large informing that my client intending to purchase the property Commercial Premises known as Shop No. 1, (front side) consist of Ground, Loft and 1 Floor, of KRISHNA COMPLEX, constructed on U. No. 81 & 82, Sheet No. 67, situated at Jhulelal Bazar, Near Dudh Naka, Ulhasnagar-5, Dist. Thane, area adm. 7-1/2 x 45 Sq. Ft, each Floor and with 16' height at Ground Floor with the Loft inside the shop, duly fitted with electric connection assessed under Municipal Ward No. 54, Property No. 54D1011604100 (part) (as it is where it is basis) from Shri Shankar Murlidhar Dawani

If Any person or persons having claim against or in the above property by way of any arrangement, agreement, partnership, tenancy, inheritance, succession, trust, mortgage, lien, lease, charge, maintenance easement or Govt. Liability or GST Liability otherwise howsoever is hereby required to make the same known to me in writing with documentary proof at my following address within a period of 7 days from the date hereof, otherwise such claim or claims shall be considered waived and abandoned and my client shall be absolutely free to purchase the above said property by entering into Sale Deed/Agreement free from all encumbrances.

Ramesh T. Ramrakhiyani
B.com LLB
Advocate High Court
9, Roopmilan Society, Main Road,
Opp. Venus Talkies, Ulhasnagar-4
Mobile: 9320667400 / 9422667400

हाईवे की हालत खराब तो टोल कैसा?

■ **HC ने घटाया 80% चार्ज, देश भर के लिए मिसाल**

नई दिल्ली. यदि सड़क की हालत खराब है तो फिर उस पर टोल टैक्स की वसूली करना तो यात्रा करने वालों के साथ अन्याय है। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में यह बात कही है, जिसका असर पूरे देश में देखने को मिल सकता है। अदालत ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को आदेश दिया कि वह टोल टैक्स में 80 फीसदी तक की कटौती करे क्योंकि सड़क जर्जर है। अदालत ने यह फैसला नेशनल हाईवे 44 को लेकर दिया। अदालत ने कहा कि यदि सड़क पर निर्माण

चल रहा है और उसकी हालत अच्छी नहीं है तो फिर उसके लिए टोल टैक्स का कलेक्शन नहीं होना चाहिए। बेंच ने कहा कि टोल अच्छी सड़क के लिए लिया जाता है। यदि उसमें दिक्कत है तो फिर टोल ही क्यों वसूला जाए।

चीफ जस्टिस ताशी रबस्तान और जस्टिस एमए चौधरी की बेंच ने हाईवे के पठानकोट-उधमपुर स्ट्रेच को लेकर कहा कि एनएचआई को यहां टोल टैक्स 20 फीसदी ही लेना चाहिए। बेंच ने कहा कि NHAI तत्काल प्रभाव से इस हिस्से में पड़े वाले लखनपुर और बान प्लाजा से टोल की वसूली में 80 फीसदी तक की कटौती करे। यह आदेश तत्काल लागू होना है और सड़क की उचित मरम्मत का काम पूरा हुए बिना दोबारा से फीस को बढ़ाया नहीं जाएगा। यही नहीं अदालत ने यह भी कहा कि इस हाईवे पर 60 किलोमीटर के दायरे से पहले कोई दूसरा टोल प्लाजा नहीं बनना चाहिए। यदि ऐसा कोई टोल प्लाजा बना है तो उसे महीने के अंदर खत्म किया जाए या फिर उसका स्थानांतर किया जाए।

उन्होंने कहा कि दिसंबर 2021 से ही हाईवे का 60 फीसदी हिस्सा निर्माणाधीन है। फिर टोल पूरा वसूलने का कोई तुक नहीं बनता। उन्होंने मांग की कि काम पूरा होने के 45 दिन बाद से टोल की वसूली शुरू होनी चाहिए। इसी पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सख्त टिप्पणी की और टोल में भी 80 पर्सेंट कटौती का आदेश दिया।

जस्टिस ने कहा कि टोल की दलील यह है कि यदि जनता को अच्छी सड़क मिल रही है तो उसकी लागत का एक हिस्सा वसूलने के लिए टोल लिया जाए। यदि ऐसी सड़क ही नहीं है तो फिर फीस देने का क्या मतलब हुआ।

संक्षेप...

महावितरण कर्मियों ने किया प्रदर्शन

कल्याण. केंद्रीय नेतृत्व के आदेशानुसार महावितरण कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर महाराष्ट्र राज्य बिजली कर्मचारी महासंघ ने लंबित मुद्दों और मांगों पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए कल्याण के तेजश्री स्थित महावितरण कार्यालय के प्रवेश द्वार पर एक विशाल गेट सभा, धरना प्रदर्शन का आयोजन किया. इस द्वार सभा में भारी संख्या में मंडल और जोनल अधिकारी,सदस्य मौजूद रहे.

लाडकी बहिन योजना की किस्त आनी शुरू

■ **9 लाख कम हुई लाभार्थियों की संख्या**

मुंबई. महाराष्ट्र में महिलाओं को वित्तीय सहायता के लिए महायुति सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना की फरवरी किस्त का भुगतान आज (26 फरवरी) कर दिया गया. डिप्टी सीएम अजित पवार ने 15 फरवरी को जानकारी दी थी कि उन्होंने फरवरी की किस्त के लिए 3500 करोड़ रुपये के चेक पर हस्ताक्षर किए हैं.

अजित पवार ने कहा था कि मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना का पैसा अगले हफ्ते मिलेगा. लेकिन, एक सप्ताह बाद भी महिलाओं को पैसा मिलना शुरू नहीं हुआ था. इस पर विरोधियों की ओर से आलोचना शुरू हो गई. मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना का पैसा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से दिया गया. मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना की फरवरी किस्त 1500 रुपये महिलाओं के खाते में भेजी गई.

जनवरी महीने में 2 करोड़ 41 लाख महिलाओं को योजना के तहत पैसा मिला था. बताया गया कि लाडकी बहिन योजना में आवेदनों की सत्यापन प्रक्रिया शुरू होने के बाद महिलाओं की संख्या लगभग 9 लाख कम हो गई. इसलिए इस बार जनवरी की तुलना में कम महिलाओं को प्यारी बहन योजना के 1500 रुपये मिले.

वित्त विभाग ने आवंटित कर दिया था फंड

वित्त विभाग से फरवरी के लिए प्राप्त राशि महिला एवं बाल कल्याण विभाग को आवंटित कर दी गई थी. विभाग ने अकाउंट को यह भी बताया है कि कुछ तकनीकी समस्या के कारण भुगतान में देरी हुई है. फरवरी खत्म होने में 4 दिन बचे थे. ऐसे में महिलाओं को योजना के पैसे का इंतजार था. उनका इंतजार आज खत्म हो गया.

फरवरी से पहले योजना की सात किस्तें राज्य की लाडकी बहनों को मिल चुकी हैं. अब 1500 रुपये की आठवीं किस्त जारी की गई है. बता दें कि महायुति ने दोबारा सत्ता में आने पर लाडकी बहनों को 2100 रुपये देने का वादा किया था. राज्य की महिलाएं इंतजार कर रही हैं कि सरकार कब ये वादा पूरा करेगी.

सॉफ्टवेयर कंपनी में हैकिंग मसले में तीन पर शिकंजा

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. ठाणे में एक सॉफ्टवेयर कंपनी के सिस्टम को हैक करने और डेटा नष्ट करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि इससे कंपनी को 1.51 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

मीरा रोड के पुलिस उपायुक्त प्रकाश गायकवाड़ ने कहा कि आरोपियों ने 'मैजिक लॉकर' नामक एक एप्लिकेशन विकसित करने वाली ठाणे में स्थित कंपनी के सर्वर तक कथित तौर पर अनधिकृत पहुंच प्राप्त की।

यह कथित अपराध 2024 में हुआ था। कंपनी की ओर से दी गई शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर 3.5 लाख से अधिक ग्राहकों के डेटा को 'रीसेट' या 'फॉर्मेट' किया।

पुलिस ने कहा कि जांच के बाद, मनोजकुमार छोटेलाल मौर्य, हिमांशु अशोक सिंह (दोनों वाराणसी, उत्तर प्रदेश के निवासी) और चंद्रेश लालजी भारतीय (विरार, महाराष्ट्र) को सोमवार को पकड़ लिया गया।

अजय जाधव की याद में क्रिकेट स्पर्धा संपन्न

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में पूर्व नगरसेवक एवं पूर्व आरपी अध्यक्ष दिवंगत अजय जाधव की स्मृति में उनके पुत्र यश जाधव ने मातोश्री नगर मैदान में दो दिवसीय अंडर आर्म क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन 22 और 23 फरवरी को किया. इस स्पर्धा में 28 टीमों ने भाग लिया. निखिल इलेवन जो स्पर्धा को जीत कर प्रथम पुरस्कार ट्राफी एवं 18 हजार 55 रुपए एवं उप विजेता पद स्टार बॉयज ने प्राप्त करके 8055 रुपए एवं कप जीता. अंबरनाथ और बदलापुर के कई नेताओं ने इस मुकाबले के दरम्यान अपनी उपस्थिति को दर्ज कराया. यश जाधव ने पत्रकारों को बताया कि उनके पिताश्री अजय जाधव हर वर्ष क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करते थे. उनकी याद में उन्होंने, लाजवंती जाधव, रोशनी शेख, सामाजिक संस्था वाई. जे. ग्रुप ने इस मुकाबले का आयोजन किया. बेस्ट बैट्समैन, फील्डर, बॉलर एवं मैन ऑफ द मैच के लिए भी पारितोषिक दिए गए. स्पर्धा में बदलापुर के गोल्डमैन नीतीश धुले, नासिर कुंजाली, इफ्तेखार खान, विकास सोमेश्वर, राहुल सोमेश्वर, अंजिक्या पाटिल व अन्य मान्यवरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई.

KDMC ने तोड़े 62 अवैध नल कनेक्शन

कल्याण. कडोंमनपा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ के निर्देशानुसार और शहर अभियंता नीता परदेशी के मार्गदर्शन में गुरुवार को कल्याण पूर्व के लिए जाने वाली मुख्य जल आपूर्ति जल वाहिनी पर दुर्गाडी फोर्ट और सर्वोदय सोसायटी के बीच तबेला धारकों द्वारा लिए गए अनधिकृत नल के कनेक्शनों को निष्कासन की कार्रवाई की गई.

ठाणे मनपा ने मनाया मराठी भाषा गौरव दिवस

ठाणे. वरिष्ठ कवि और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता वि.वा.शिरवाडकर उर्फ कुसुमाग्रज की जयंती के अवसर पर ठाणे मनपा मुख्यालय में मराठी भाषा गौरव दिवस मनाया गया।मनपा मुख्यालय में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर सभागार के सामने कुसुमाग्रज की कविता 'स्वातंत्र्यदेवी की विनवणी' कविता पाठ किया

गया।इस कविता का सुलेखन वरिष्ठ सुलेखक अच्युत पालव ने किया।कार्यक्रम की शुरुआत में वरिष्ठ कवि और गजल लेखक सुरेश भट्ट के गीत 'लभाले अम्हास भाग्य बोलतो मराठी' से माहौल मराठीमय हो गया।उनकी जयंती पर कुसुमाग्रज की कविता 'स्वातंत्र्यदेवी विनवाणी' का पाठ किया गया।इस अवसर पर ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव,अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उपायुक्त उमेश बिरारी,विधी अधिकारी मकरंद काले, महिला व बाल विकास अधिकारी दयानंद गुंडप आदि उपस्थित थे।मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर ठाणे मनपा की वेबसाइट (वेबसाइट https://thanecity.gov.in पर मराठी पढ़ने का कट्टा शुरू किया गया है।इस लिंक से मराठी विश्वकोश की वेबसाइट पर जा सकते हैं।मराठी विश्वकोश प्रविष्टिया, कुमार विश्वकोश प्रविष्टिया मराठी विश्वकोश वेबसाइट पर पढ़ी जा सकती हैं।यह लिंक मराठी भाषा प्रेमियों और विद्वानों के लिए बहुत मूल्यवान है।

रेत माफियाओं को राजस्व विभाग ने दिया झटका

खाड़ी से रेत निकालने वाले 2 नावों को किया नष्ट

ठाणे. राजस्व विभाग की ओर से मुब्रा खाड़ी में रेत निकाल रहे रेत माफियाओं के खिलाफ किया गया बड़ी कार्रवाई।साथ ही अवैध रूप से रेत निकालने वाली दो नावों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और 15 लाख का सामान नष्ट कर दिया गया है।

नायब तहसीलदार दिनेश पैठणकर ने कहा कि विभाग के माध्यम से कार्रवाई जारी रहेगी।इस कार्रवाई के दौरान कार्यरत टीम को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा।जिसका मुख्य कारण यह है कि यह नावें रेलवे पुल के पास पाई जा रही हैं और इन रेत निकालने वाली नावों से रेलवे पुल को खतरा पैदा होने की आशंका है।इसलिए प्रशासन को बार-बार कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।राजस्व विभाग के अलावा अन्य विभागों को भी कार्रवाई करना चाहिए।क्योंकि जब तक अन्य विभाग भी इन रेत माफियाओं पर कड़क कार्रवाई के लिए कदम उठाएगा तो ही दबाव बनेगा।अब देखना है कि रेलवे प्रशासन अपने ट्रैक की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठता है।

घरेलू विवाद में पत्नी को जिंदा जलाने की कोशिश

■ **आटो रिक्शा चालक गिरफ्तार**

ठाणे. ठाणे शहर में घरेलू विवाद के कारण अलग रह रही पत्नी को जिंदा जलाने की कोशिश करने के आरोप में पुलिस ने 35 वर्षीय एक ऑटो-रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

चितलसर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने 30 वर्षीय पीड़िता की शिकायत के हवाले से बताया कि दंपति के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था और आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था जिसके कारण पीड़िता अपने पति से अलग रह रही थी। वह अक्सर उसे परेशान करता था। शिकायत के अनुसार, दोनों के बीच तलाक का मामला अदालत में लंबित है।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कुछ अवसरों पर अपनी पत्नी से साथ रहने की इच्छा जताई थी और उसे साथ न रहने पर गंभीर

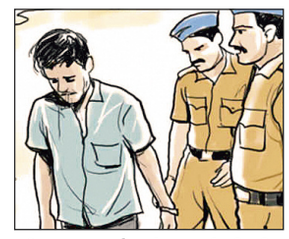

परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

जब पीड़िता मंगलवार को अपने कार्यस्थल की ओर जा रही थी तब आरोपी ने उसे बोरीवली टनल निर्माण स्थल के पास रोक लिया।

उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने आग बुझाने में मदद की और महिला को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 (हत्या के प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

'हर हर महादेव' के नारों से गूंजा भिवंडी शहर

■ **शिव मंदिरों में लगा दर्शनार्थियों का तांता**

■ **सैकड़ों भक्त ने निकाली भगवान शिव की पालकी**

भिवंडी. भिवंडी शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में महाशिवरात्री पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं भक्तिपूर्ण माहौल में मनाया गया.इस अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों में महाप्रसाद, भजन, प्रवचन, कीर्तन आदि के कार्यक्रम आयोजित किये गये.शिव मंदिरों में आकर्षक विद्युत प्रकाश व्यवस्था एवं पुष्प सज्जा की गई. महाशिवरात्रि के अवसर पर भीमेश्वर मंदिर, खंडेश्वर मंदिर, नीलकंठ मंदिर, श्री रामेश्वर मंदिर

काप आली, मार्कंडेय मंदिर, अंजुरफाटा, कामतघर, भादवड़ ,कल्याण रोड मुरलीधर शिव मंदिर, मनोकामनेश्वर मंदिर मानसरोवर, शिव मंदिर अशोक नगर में भी बड़े भक्तिमय माहौल में पूजा-अर्चना के लिए शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी.हनुमान टेकडी की पहाड़ी पर स्थित नेहरू नगर में रामदेव यादव के नेतृत्व में अखंड रामायण पाठ एवम भंडारे का आयोजन किया गया.प्राचीनतम रामेश्वर मंदिर में सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. सुबह से ही दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लगी थी. शंख और ताल मृदुंगा की ध्वनि के बीच हरहर महादेव के जयघोष के साथ पालकी समारोह का आयोजन किया गया.पालकी की पवित्र यात्रा मंदिर प्रांगण से काप आली धर्मवीर स्व.आनंद दिघे चौक, गोपाल नगर, कल्याण रोड और ठाणे मार्ग से निकाली गई. पालकी समारोह में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए. महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवलिंग का अभिषेक महाआरती की गई. उक्त अवसर पर रामेश्वर मंदिर मुख्य ट्रस्टी अशोक कुमार फड़तरे, अनिल फड़तरे, शिवसेना शहर प्रमुख सुभाष माने, राकांपा जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल, शिवसेना नेता व पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी,पत्रकार शरद भसाले, श्रीराज सिंह, बनवारी गुप्ता , भूषण रोकड़े आदि ने पूजा अर्चना किया.

महाशिवरात्रि पर दिवे-अंजुर में शिव मंदिर का जीर्णोद्धार

■ **पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने परिवार के साथ की पूजा**

भिवंडी. भिवंडी तालुका अंतर्गत दिवे-अंजुर में शिव मंदिर का महाशिवरात्रि त्योहार के पवित्र अवसर पर जीर्णोद्धार किया गया.इस मंदिर को पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल ने पुनः निर्माण कराया.महाशिवरात्रि के दिन हजारों भक्तों ने पूरी श्रद्धा से दर्शन किया.दिवे-अंजुर में आयोजित यात्रा को भारी प्रतिसाद मिला.स्व मोरेश्वर हलोजी पाटिल उर्फ मुरारीनाथ स्वामी,स्व. मणिबाई मोरेश्वर पाटिल और स्व.पुरूषोत्तम मोरेश्वर पाटिल की स्मृति में दिवे-अंजुर स्थित मंदिर का शुभ वातावरण और हजारों भक्तों की उपस्थिति में जीर्णोद्धार किया गया. ठाणे जिले से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान महादेव के दर्शन किये.

आम सूचना

मैं श्री जय मंगेश गायकवाड़ सभी को सूचित कर रहा हूं कि महेश वाणी टेलर के पास, जेजे नगर के पास, स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीओ012356100) उक्त प्रॉपर्टी श्री रूपचंद हजारीलाल चौरसिया के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 10.1.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री जय मंगेश गायकवाड़

CHANGE OF NAME

My old Maiden Name is
Nisha Parsram Wadhwa
Now My New Name is
Kashish Sonu Kataria
Now I will be known as my new name
Kashish Sonu Kataria
(Add:. Guruteg Bahadur Colony, Hospital Area, Behind Bk.No.673, Ulhasnagar-421003., Dist. Thane.)
Kashish Sonu Kataria

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

दोस्त का कान काटकर खा गया शख्स

ठाणे. एक शख्स ने पार्टी के दौरान हुए झगड़े में अपने दोस्त का कान काटकर खा लिया। जानकारी के मुताबिक, दोनों दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर पहले बहस हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अपनी शिकायत में श्रवण लीखा (37) ने कहा कि वह और आरोपी विकास मेनन (32) दोस्तों के साथ पार्टी कर रहे थे, तभी दोनों के बीच झगड़ा हो गया। लीखा ने आरोप लगाया कि मेनन अचानक हिंसक हो गया और उसने उसके कान का एक हिस्सा काट लिया एवं उसे निगल लिया।

एसएसटी महाविद्यालय की छात्रा अंकिता पोल ने हाफ मैराथन में जीता स्वर्ण पदक

उल्हासनगर. मुंबई विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालयीन हाफ मैराथन प्रतियोगिता में एसएसटी महाविद्यालय की छात्रा अंकिता पोळ ने प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। लांजा में आयोजित इस प्रतियोगिता में अंकिता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ दिया और स्वर्ण पदक पर अपना नाम दर्ज किया।

अंतरराष्ट्रीय मैराथन में मिली सफलता के बाद एसएसटी

महाविद्यालय के छात्रों ने एक बार फिर दौड़ में अपना दबदबा साबित किया है। इस शानदार जीत के बाद महाविद्यालय के प्रबंधन, प्राचार्य, प्राध्यापक और छात्रों ने अंकिता पर बधाइयों की बौछार की। उसकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय के खेल क्षेत्र में योगदान को नई ऊंचाई मिली है। अंकिता ने अपनी सफलता का श्रेय महाविद्यालय द्वारा खेलों के लिए उपलब्ध कराए गए अनुकूल वातावरण और सुविधाओं को देते हुए महाविद्यालय का आभार व्यक्त किया।

49 साल की सुष्मिता सेन करना चाहती हैं शादी

सुष्मिता सेन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम लाइव सेशन के जरिए फैंस और फॉलोअर्स के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने शादी पर अपने विचार भी शेयर किए। उन्होंने कहा वह शादी तो करना चाहती हैं, लेकिन कोई सही जीवनसाथी मिलना चाहिए।

दरअसल, इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन के दौरान सुष्मिता सेन ने बताया कि उन्होंने जयपुर में एक शादी अटेंड की थी। इस पर एक यूजर ने सुष्मिता से उनकी शादी को लेकर ही सवाल पूछ लिया। जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा- 'मैं भी शादी करना चाहती हूं। मिलना चाहिए न कोई शादी करने लायक। ऐसे थोड़ी होती है शादी। कहते हैं न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है। दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए न। शादी भी कर लेंगे।

रोहमन शॉल को डेट कर रही थीं सुष्मिता

सुष्मिता सेन ने ढाई साल तक मॉडल रोहमन शॉल को डेट किया था। दोनों के बीच 15 साल का अंतर था। दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे थे। रोहमन की सुष्मिता की दोनों बेटियों, रेनी और अलीशा, के साथ भी बेहतरीन बॉन्डिंग है। लेकिन साल 2021 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इस बात की जानकारी खुद सुष्मिता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी थी। उन्होंने लिखा था- 'हमने दोस्त के रूप में शुरुआत की, हम दोस्त बने रहे!! रिश्ता बहुत पुराना हो गया था...प्यार बाकी है। हालांकि, अब भी दोनों के कई बार साथ में देखा जाता है।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099